

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKAE-182

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत (बी.ए.एस.के.एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.एस.के.ए.ई.-182 : संस्कृत साहित्य

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : इस प्रश्न-पत्र में कुल छः प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों का अनुवाद कीजिए : 2×6=12

(क) मातृवत् परदारेषु परद्रव्येषु लोष्ठवत्।

आत्मवत् सर्वभूतेषु यः पश्यति स पण्डितः॥

अथवा

कङ्कणस्य तु लोभेन मग्नः पङ्के सुदुस्तरे।

वृद्धव्याघ्रेण संप्राप्तः पथिकः समृतो यथा॥

(ख) आपदर्थे धनं रक्षेद् दारान् रक्षेद् धानैरपि।

आत्मानं सततं रक्षेद् दारैरपि धनैरपि ॥

अथवा

दुष्टा भार्या शठं मित्रं भृत्यश्चोत्तरदायकः।

ससर्पे च गृहे वासो मृत्युरेव न संशयः ॥

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए :

8×2=16

(क) प्रत्याख्याने च दाने च सुखदुःखे प्रियाप्रिये।

आत्मौपम्येन पुरुषः प्रमाणमधिगच्छति ॥

अथवा

यस्य मित्रेण सम्भाषो यस्य मित्रेण संस्थितिः।

यस्य मित्रेण संलापस्ततो नास्तीह पुण्यवान् ॥

(ख) आतुरे व्यसने प्राप्ते दुर्भिक्षे शत्रुसंकटे।

राजद्वारे श्मशाने च यस्तिष्ठति स बान्धवः ॥

अथवा

लोकयात्रा भयं लज्जा दाक्षिण्यं त्यागशीलता।

पञ्च यत्र न विद्यन्ते न कुर्यात् तत्र संस्थितिम् ॥

3. वृद्ध-व्याघ्र और लोभी-पथिक की कथा अपने शब्दों में लिखिए। 20

अथवा

चाणक्य नीति के अनुसार 'त्यागने योग्य और अविश्वसनीय मित्र' के क्या लक्षण होते हैं ?

4. प्रश्न संख्या 1 में रेखांकित किन्हीं छः शब्दों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। 6×2=12
5. नीति कथाओं के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

आचार्य चाणक्य का व्यक्तित्व एवं कृतित्व लिखिए।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए : 10×2=20

(क) हितोपदेश

(ख) चाणक्य नीति

(ग) अम्बिकादत्त व्यास

(घ) बाणभट्ट

x x x x x x x